वर्ष 2047 तक भारत करेगा छह मेगा-पोर्ट विकसित

स्रोत: पी. आई. बी

बंदरगाह, **जहाज़रानी और जलमार्ग मंत्रालय** के हालिया अपडेट में वर्ष 2047 तक भारत में मेगा-पोर्ट के विकास के लिये महत्त्वपूर्ण योजनाओं की रूपरेखा तैयार की गई है।

- वर्ष 2047 तक मेगा पोर्ट के रूप में विकास के लिये छह बंदरगाह समूहों की पहचान की गई।
    - **300 मिलियन टन प्रति वर्ष (MTPA) से अधिक क्षमता वाले चार बंदरगाह क्लस्टर:**
        - कोचीन-**विझिंजम पोर्ट** क्लस्टर, **गैलाथिया दक्षिणी खाड़ी पोर्ट,** चेन्नई-कामराजार-कुड्डालोर पोर्ट क्लस्टर, पारादीप और अन्य गैर-प्रमुख पोर्ट क्लस्टर।
    - **500 MTPA से अधिक क्षमता वाले दो बंदरगाह क्लस्टर:**
        - **(i)** दीनदयाल और टुना टेकरा **और (ii)** जवाहरलाल नेहरू **- वधावन।**
- प्रमुख बंदरगाह **समुद्री अमृतकाल विज़न, 2047** के हिस्से के रूप में क्षमता और बुनियादी ढाँचे को बढ़ा रहे हैं।
    - बंदरगाह विकास पर ध्यान केंद्रित करते हुए **सार्वजनिक-निजी भागीदारी (PPP)** और आंतरिक संसाधनों के माध्यम से बुनियादी ढाँचा परियोजनाएँ चल रही हैं।

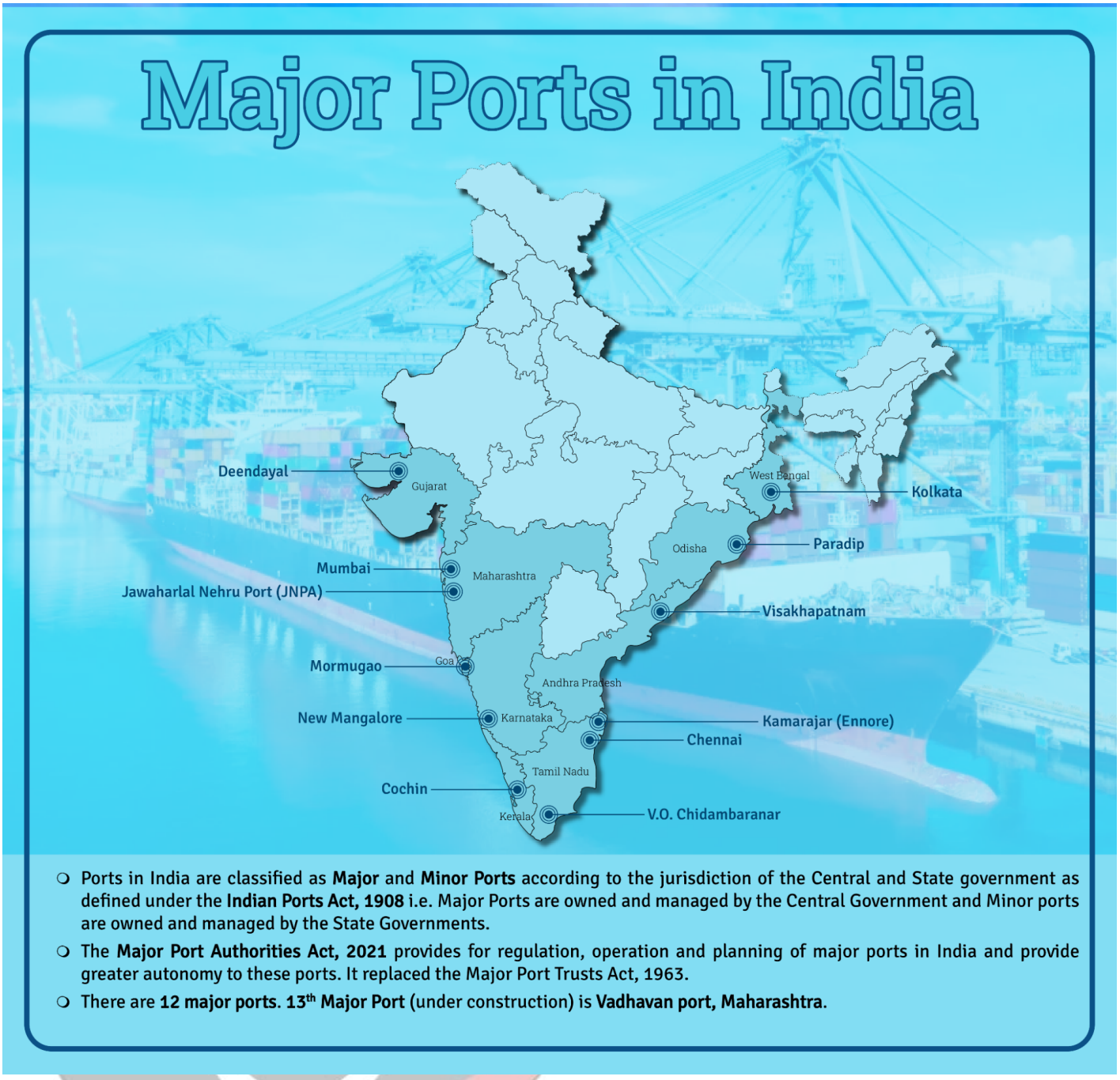

//

और पढ़ें: [वझिजिम अंतरराष्ट्रीय बंदरगाह परियोजना]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/india-to-develop-six-mega-ports-by-2047